

संपादकीय
समंदर का धूरंधर

भारतीय नौसेना को एक और 'समंदर का धूरंधर' मिल गया है।

नौसेना के बेडे में 'आईएनएस विश्वासापृष्ठनम्' के शामिल होने से हमारी समुद्री सैन्य ताकत में शानदार जहाज हुआ है। यह प्रोजेक्ट 15वीं का पहला स्टील्थ गाइडेड मिसाइल विसाइल विश्वासक जहाज है। इसे नौसेना के शीर्ष क्रांतिकारी की मौजूदगी में रविवार को सेवा में शामिल किया गया।

नौसेना अध्यक्ष एडमिरल करमनरेंट सिंह ने इस अवसर को 'युद्धप्रौद्योगिक आत्मनिर्भरता का शानदार उदाहरण' करार दिया। दो दिन बाद पनडुब्बी 'वेलो' को भी नौसेना में शामिल किया जाएगा। इसके अलावा अगले महीने सर्वे वैसल 'संघार्क' नौसेना की सेवा में ले लिया जाएगा।

मिसाइल भेदे जहाज नौसेना ने आईएनएस विश्वासापृष्ठनम् कई खूबियाँ लाता है। सभी अत्याधिक सुविधाओं से लैस यह जहाज ब्रह्मोस-बराक जैसी विश्वासक मिसाइलों से लैस है। इसमें सुपरसोनिक सतह से सतह और सतह से हवा में भारत करने वाली मिसाइल, मध्यम और शॉट रैंज गन, एंटी सामरीन रॉकेट, एडवांस इलेक्ट्रोनिक वारफेयर और कम्युनिकेशन सूट जैसी खूबियाँ ही हैं।

आईएनएस विश्वासापृष्ठनम् की सबसे बड़ी खूबी यह है कि यह दुश्मन के जहाज को देखते ही एंटी-एयरफायर मिसाइल लॉन्च कर सकता है। साथ ही यह भी गर्भी बात है कि यह युद्धक जहाज पूरी तरह से रखदेखी है।

कूल 74 हजार टन वजनी इस जहाज की लंबाई 545 पूर्ट है। बताया जा रहा है कि लगभग 56 फिलोमीटर प्रति घंटे की रुचार से चलने वाला यह युद्धक जहाज जब धीमी गति से भी चलता है तो इसकी रेंज में 7400 किलोमीटर छोड़ रहता है। यानी विश्वास लम्हार्डी क्षेत्र में भारतीय नौसेनाओं की सजग निहांगें बड़ी रहेंगी। बेशक भारतीय नौसेना के पास और भी कई युद्धक जहाज हैं, लेकिन आईएनएस विश्वासापृष्ठनम् अत्याधिक खूबियाँ लाता और समयानुकूल है।

कई खूबियाँ वाले इस जहाज का नौसेना के बेडे में शामिल होना गौरव की बात तो है ही, साथ ही दुनिया भी भारत की समुद्री ताकत से झू-झू-रू हो गई। आईएनएस विश्वासापृष्ठनम् के साथ ही पनडुब्बी येल जब नौसेना का हिस्सा बन जाएगी तो इसकी ताकत में इजाफा ही होगा। भारत के पास अभी कूल 13 पनडुब्बियाँ हैं। ये पनडुब्बियाँ रुस और जर्मनी में निर्मित हुई हैं। देश की पहली परमाणु शक्ति चालित पनडुब्बी अर्डिनेंट पहले से नौसेना के बेडे का हिस्सा है। नौसेना प्रमुख के मुताबिक फिल्कार 41 में से 39 पोत और पनडुब्बी के ऑर्डर भारतीय शिपपार्क को दिए गए हैं। यानी भारतीय नौसेना को मजबूत बनाने की दिशा में पूरी पहल हो रही है।

यूं तो भारतीय नौसेनों के तीव्रों अंगों को लगातार मजबूत किया जा रहा है, लेकिन समुद्री ताकत को ज्यादा मजबूत करना वह की जरूरत है। जैसा कि इस जहाज को नौसेना के बेडे में शामिल करते वह रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि दिव्यता, अधिक प्रगति और दुनिया के विकास के लिए नौसेनाओं की नियम आधारित स्तरतात्त्व, समुद्री गोलियों की सुरक्षा पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। ऐसे में इस बात का ध्यान रखना लाजिमी है कि लभी भागीदार देशों के हित सुरक्षित रह सकें। इस क्षेत्र की सुरक्षा में हमारी नौसेना की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। साथ ही यह भी ध्यान रखने की बात है कि पड़ोसी देश चीन ने अपनी विदरतावाही सोच को समुद्र में भी नहीं छोड़ा है। दक्षिण चीन सागर में चीन द्वारा कोई रैक्षिकरण कर रहा है, जिसकी वैश्विक रूप से आलोचना होती रही है। इस क्षेत्र को लेकर पूर्वी और दक्षिण पूर्वी कई पर्याप्त देशों के व्यापक बातें हैं। ऐसे में शक्ति संतुलन के लिए आईएनएस विश्वासापृष्ठनम् जैसे युद्धक जहाजों की ज़रूरत भारत को थी। समरक महत्व के अलावा विद्युत अर्थव्यवस्था के लिए भी भारत का समुद्री क्षेत्र बेहद महत्वपूर्ण है। आज वैश्विक सुरक्षा कारों, सीमा विवादों और समुद्री प्रभुत्व को बनारे रखने के महत्व के कारण दुनियाभर के देश अपनी सैन्य शक्ति को मजबूत और अत्याधिक बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं। ऐसे में भारत ने युद्ध को समुद्री शक्ति संपूर्ण देशों की कतार में ला रखा किया है जो गैरवान्वित करने वाली बात है।

नई दिल्ली। प्रिंस कुमार (74 रन और 3/29), सचिन भट्टी (33), सचिन शर्मा (2/25) की मदद से टिक्कल ग्राउंड नोयडा में खेले जा रहे दूसरे अल इंडिया बिमला देवी कपूर मेमोरियल फिल्कट टूर्नामेंट में एम

पार प्रो (9 विकेट पर 169 रन) को 5 विकेट से हारकर फाइनल में प्रवेश किया। हारी हुई टीम से मयंक राशव ने शानदार 56 रनों की पारी खेले पर अपनी टीम को हार से न बचा पाए। शानदार खेल के लिए प्रिंस कुमार को भैंस अफ द मैच से समानित किया गया।

नई दिल्ली। प्रिंस कुमार (74 रन और 3/29), सचिन भट्टी (33), सचिन शर्मा (2/25) की मदद से टिक्कल ग्राउंड नोयडा में खेले जा रहे दूसरे अल इंडिया बिमला देवी कपूर मेमोरियल फिल्कट टूर्नामेंट में एम

पार प्रो (9 विकेट पर 169 रन) को 5 विकेट से हारकर फाइनल में प्रवेश किया। हारी हुई टीम से मयंक राशव ने शानदार 56 रनों की पारी खेले पर अपनी टीम को हार से न बचा पाए। शानदार खेल के लिए प्रिंस कुमार को भैंस अफ द मैच से समानित किया गया।

नई दिल्ली। क्रिकेट ऑर्डर के लिए नौसेना के प्रमुख योग्य के लिए गिरफ्तार हो गई है। यानी भारतीय नौसेना को मजबूत बनाने की ज़रूरत भारत को थी।

यूं तो भारतीय नौसेनों के तीव्रों अंगों को लगातार मजबूत करना वह की जरूरत है। जैसा कि इस जहाज को नौसेना के बेडे में शामिल करते वह रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि दिव्यता, अधिक प्रगति और दुनिया के विकास के लिए नौसेनाओं की नियम आधारित स्तरतात्त्व, समुद्री गोलियों की सुरक्षा पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। ऐसे में इस बात का ध्यान रखना लाजिमी है कि लभी भागीदार देशों के हित सुरक्षित रह सकें। इस क्षेत्र की सुरक्षा में हमारी नौसेना की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। साथ ही यह भी ध्यान रखने की बात है कि पड़ोसी देश चीन ने अपनी विदरतावाही सोच को समुद्र में भी नहीं छोड़ा है। दक्षिण चीन सागर में चीन द्वारा कोई रैक्षिकरण कर रहा है, जिसकी वैश्विक रूप से आलोचना होती रही है। इस क्षेत्र को लेकर पूर्वी और दक्षिण पूर्वी कई पर्याप्त देशों के व्यापक बातें हैं। ऐसे में शक्ति संतुलन के लिए आईएनएस विश्वासापृष्ठनम् जैसे युद्धक जहाजों की ज़रूरत भारत को थी। समरक महत्व के अलावा विद्युत अर्थव्यवस्था के लिए भी भारत का समुद्री क्षेत्र बेहद महत्वपूर्ण है। आज वैश्विक सुरक्षा कारों, सीमा विवादों और समुद्री प्रभुत्व को बनारे रखने के महत्व के कारण दुनियाभर के देश अपनी सैन्य शक्ति को मजबूत और अत्याधिक बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं। ऐसे में भारत ने युद्ध को समुद्री शक्ति संपूर्ण देशों की कतार में ला रखा किया है जो गैरवान्वित करने वाली बात है।

नई दिल्ली। क्रिकेट ऑर्डर के लिए नौसेना के प्रमुख योग्य के लिए गिरफ्तार हो गई है। यानी भारतीय नौसेना को मजबूत बनाने की ज़रूरत भारत को थी।

नई दिल्ली। क्रिकेट ऑर्डर के लिए नौसेना के प्रमुख योग्य के लिए गिरफ्तार हो गई है। यानी भारतीय नौसेना को मजबूत बनाने की ज़रूरत भारत को थी।

नई दिल्ली। क्रिकेट ऑर्डर के लिए नौसेना के प्रमुख योग्य के लिए गिरफ्तार हो गई है। यानी भारतीय नौसेना को मजबूत बनाने की ज़रूरत भारत को थी।

नई दिल्ली। क्रिकेट ऑर्डर के लिए नौसेना के प्रमुख योग्य के लिए गिरफ्तार हो गई है। यानी भारतीय नौसेना को मजबूत बनाने की ज़रूरत भारत को थी।

नई दिल्ली। क्रिकेट ऑर्डर के लिए नौसेना के प्रमुख योग्य के लिए गिरफ्तार हो गई है। यानी भारतीय नौसेना को मजबूत बनाने की ज़रूरत भारत को थी।

नई दिल्ली। क्रिकेट ऑर्डर के लिए नौसेना के प्रमुख योग्य के लिए गिरफ्तार हो गई है। यानी भारतीय नौसेना को मजबूत बनाने की ज़रूरत भारत को थी।

नई दिल्ली। क्रिकेट ऑर्डर के लिए नौसेना के प्रमुख योग्य के लिए गिरफ्तार हो गई है। यानी भारतीय नौसेना को मजबूत बनाने की ज़रूरत भारत को थी।

नई दिल्ली। क्रिकेट ऑर्डर के लिए नौसेना के प्रमुख योग्य के लिए गिरफ्तार हो गई है। यानी भारतीय नौसेना को मजबूत बनाने की ज़रूरत भारत को थी।

नई दिल्ली। क्रिकेट ऑर्डर के लिए नौसेना के प्रमुख योग्य के लिए गिरफ्तार हो गई है। यानी भारतीय नौसेना को मजबूत बनाने की ज़रूरत भारत को थी।

नई दिल्ली। क्रिकेट ऑर्डर के लिए नौसेना के प्रमुख योग्य के लिए गिरफ्तार हो गई है। यानी भारतीय नौसेना को मजबूत बनाने की ज़रूरत भारत को थी।

नई दिल्ली। क्रिकेट ऑर्डर के लिए नौसेना के प्रमुख योग्य के लिए गिरफ्तार हो गई है। यानी भारतीय नौसेना को मजबूत बनाने की ज़रूरत भारत को थी।

नई दिल्ली। क्रिकेट ऑर्डर के लिए नौसेना के प्रमुख योग्य के लिए गिरफ्तार हो गई है। यानी भारतीय नौसेना